[Total No. of Printed Pages : 3] अनुक्रमांक.....

BASL - 301

काव्य, दर्शन एवं व्याकरण

कला में स्नातक (बीए-12/16/17)

तृतीय वर्ष, सत्र 2020

समय : 2 घंटे पूर्णांक : 80

नोट : यह प्रश्न पत्र अस्सी (80) अंकों का है। जो दो (02) खण्डों क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल कीजिए।

खण्ड-'क'

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड-'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिए गए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए बीस (20) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (2×20=40)

1. संस्कृत गद्य साहित्य में शिवराज विजय का महत्त्व प्रतिपादित कीजिए।

2. श्रीमद्भगवद्गीता का परिचय देते हुए मानव जीवन में उसके महत्त्व पर प्रकाश डालिए।

3. तर्कसंग्रह के अनुसार आत्मा के लक्षण को परिभाषित कीजिए।

4. ''झयो होडन्यतरस्याम्'' ''वा पदान्तस्य'' सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या कीजिए।

5. वद्धातु के लट्, लोट् लकारों में सभी रूप लिखिए।

खण्ड-ख

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड-'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिए गए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए दस (10) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (4×10=40)

1. न च श्रेयोऽनुपश्यामि हत्वा स्वजनमाहवे।

   न काङ्क्षेविजयं कृष्ण न च राज्यं सुखानि च।।

   इस श्लोक की अन्वयसहित व्याख्या कीजिए।

2. तर्कसंग्रह के अनुसार वायु के लक्षण को परिभाषित कीजिए।

3. पढ् धातु के लोट्, लृट् लकारों में सभी रूप लिखिए।

4. ''ष्टुना ष्टुः तोःषि'' सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या कीजिए।

5. ''अन्नाद्भवन्ति भूतानि ----------'' इस श्लोक को पूरित करते हुए व्याख्या कीजिए।

6. श्रीमदम्बिकादत्त व्यास का जीवन परिचय देते हुए शिवराज विजय में अलङ्कार वैशिष्ट्य प्रतिपादित कीजिए।

7. अन्नभह के अनुसार बुद्धि के लक्षण को परिभाषित कीजिए।

8. ''वा शरि'' ''हशि च'' सूत्रों को सोदाहरण व्याख्या कीजिए।

******